ब्रह्मऋषि विश्वामित्र शोध संस्थान
अखिल विश्व गायत्री परिवार

Phone: +91 82260 66001, +91 9179472066
Web: www.bvshodhsansthan.org
Email :- bvshodhsansthan@gmail.com

आदरणीय,
भाईयो/बहनों

आधुनिक जीवनशैली के प्रभाव से बढ़ती प्रजनन-सम्बंधी समस्याओं के अध्ययन हेतु आयुर्वेद एवं जीवनशैली आधारित एक प्रारंभिक शोध-अध्ययन के प्रस्ताव के संबंध में।

सूचित किया जाता है कि ब्रह्मर्षि विश्वामित्र शोध संस्थान के अंतर्गत एक प्रारंभिक, अन्वेषणात्मक (exploratory) शोध-अध्ययन प्रस्तावित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती प्रजनन-सम्बंधी समस्याओं (fertility-related concerns) के कारणों को समझना तथा आयुर्वेदिक दृष्टिकोण एवं जीवनशैली-संशोधन के संभावित प्रभावों का अध्ययन करना है। आज के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में यह स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है कि देर से विवाह, मानसिक तनाव, अनियमित दिनचर्या, असंतुलित आहार, शारीरिक निष्क्रियता एवं पर्यावरणीय प्रदूषण जैसे कारकों के कारण पुरुषों एवं महिलाओं दोनों में प्रजनन-स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएँ बढ़ रही हैं। यह समस्या केवल चिकित्सकीय नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक और जीवनशैली से जुड़ी हुई है, जिस पर संस्थागत स्तर पर अध्ययन एवं संवाद की आवश्यकता है।

यह प्रस्तावित अध्ययन किसी बड़े चिकित्सकीय ट्रायल या निर्धारित सैंपल-साइज़ पर आधारित नहीं होगा, बल्कि इसे एक संस्थान-स्तरीय प्रारंभिक शोध प्रयास के रूप में संचालित किया जाएगा। अध्ययन में जितने भी प्रतिभागी स्वेच्छा से उपलब्ध हों (व्यक्ति या दंपत्ति), उन्हें सम्मिलित किया जाएगा। इसका उद्देश्य किसी सांख्यिकीय दावे की बजाय यह समझना होगा कि आधुनिक जीवनशैली के कौन-से व्यवहारिक, मानसिक एवं पर्यावरणीय तत्व प्रजनन-स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं तथा आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार जीवनशैली-संशोधन से प्रतिभागियों के अनुभव, मानसिक स्थिति एवं समग्र स्वास्थ्य में क्या परिवर्तन परिलक्षित होते हैं। यह अध्ययन मुख्यतः प्रश्नावली, संवाद, अवलोकन तथा प्रतिभागियों के आत्म-अनुभवों पर आधारित रहेगा।

अध्ययन की रूपरेखा के अंतर्गत प्रतिभागियों से उनकी दिनचर्या, आहार, नींद, तनाव-स्तर, शारीरिक सक्रियता, विवाह-आयु, गर्भधारण से जुड़ी कठिनाइयों तथा चिकित्सा-इतिहास से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी। इसके पश्चात, आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से उपयुक्त जीवनशैली-संशोधन जैसे नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, योग-प्राणायाम, ध्यान एवं मानसिक अनुशासन से जुड़े सुझाव दिए जाएँगे। जहाँ आवश्यक होगा, वहाँ योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सक के मार्गदर्शन में सामान्य औषधीय सलाह भी दी जा सकती है। अध्ययन की अवधि के पश्चात प्रतिभागियों के अनुभवों, मानसिक स्थिति, तनाव-स्तर एवं समग्र स्वास्थ्य में आए परिवर्तनों को पुनः संवाद एवं अवलोकन के माध्यम से समझा जाएगा।

यह स्पष्ट किया जाता है कि यह शोध-अध्ययन किसी प्रकार का चिकित्सकीय दावा, उपचार-प्रतिज्ञा या IVF/ART के विकल्प के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल आयुर्वेदिक ज्ञान-परंपरा एवं जीवनशैली आधारित दृष्टिकोण से प्रजनन-स्वास्थ्य से जुड़े समकालीन प्रश्नों को समझना, दस्तावेज़ीकृत करना तथा भविष्य में संभावित विस्तृत शोध के लिए आधार तैयार करना है। सभी सहभागिता पूर्णतः स्वैच्छिक होगी तथा प्रतिभागियों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। किसी भी जटिल चिकित्सकीय स्थिति में प्रतिभागियों को उपयुक्त चिकित्सा परामर्श हेतु संदर्भित किया जाएगा।

इस शोध-प्रस्ताव का संस्थागत महत्व यह है कि इसके माध्यम से ब्रह्मर्षि विश्वामित्र शोध संस्थान सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषय पर एक संतुलित, भारतीय ज्ञान-परंपरा आधारित एवं व्यावहारिक अध्ययन प्रारंभ कर सकेगा। यह प्रयास भविष्य में विस्तृत अकादमिक शोध, जन-जागरूकता कार्यक्रमों एवं नीति-संवाद के लिए एक वैचारिक एवं अनुभवजन्य आधार प्रदान करेगा।

अतः संस्थान के सभी सदस्यों, शोधकर्ताओं एवं समन्वयकों को इस प्रस्तावित अध्ययन की जानकारी प्रदान की जाती है, ताकि आवश्यक सुझाव, मार्गदर्शन एवं सहयोग के माध्यम से इस शोध-कार्य को आगे बढ़ाया जा सके।

Buss

ब्रह्मऋषि विश्वामित्र शोध संस्थान
अखिल विश्व गायत्री परिवार